दादा भगवान परिवार का

अप्रैल - २०२३

शुल्क प्रति नकल : ₹ २०/-

# अक्रम एक्सप्रेस

## अंदर का रहस्य

## संपादकीय

मित्रों,

चलो, एक सर्वे (Survey) करते हैं। क्या आपको कभी कोई ऐक्शन मूवी देखकर ऐसा भाव हुआ है कि, 'विलेन को मार पड़नी ही चाहिए?' वीडियो गेम्स खेलते समय गेम के कैरेक्टर्स को मारने में मज़ा आता है? घर में कॉकरोच या छिपकली को देखकर कभी ऐसा लगा है कि, 'यह मर जाए तो अच्छा।' कभी ऐसा हुआ है कि 'मेरी पतंग की डोर से पक्षी मर जाते हैं तो इसमें मैं क्या करूँ?'

यदि ऊपर के कोई भी एक प्रश्न का जवाब 'हाँ' है, तो ये भावहिंसा हुई कहलाएगी। चलो, ज्ञानी से समझ प्राप्त करते हैं कि भावहिंसा क्या है? भावहिंसा टालने का सबसे बड़ा उपाय क्या है? भावहिंसा हो जाए तो क्या करना चाहिए?

भावहिंसा को गहराई से समझने के लिए कुदरत की कोर्ट रूम तथा लीफ वैली चलते हैं। साथ ही देखते हैं कि थिओ ऐन्ड फ्रेन्ड्स तथा आलु-चिली ने भावहिंसा के विषय में क्या समझ प्राप्त की है। और हाँ, मज़ेदार एक्टिविटीज़ का मज़ा लेना न भूलें!

- डिम्पल मेहता

# अंदर का रहस्य

वर्ष : ११ अंक: १
अखंड क्रमांक: १२१
अप्रैल - २०२३

संपर्क सूत्र
बालविज्ञान विभाग
त्रिमंदिर संकुल, सीमंधर सिटी,
अहमदाबाद - कलोल हाइवे,
मु.पो. - अडालज,
जिला . गांधीनगर - ३८२४२१, गुजरात
फोन : ९३२८६६११६६/७७
email:akramexpress@dadabhagwan.org

Editor : Dimple Mehta

Printer & Published by

Dimple Mehta on behalf of
Mahavideh Foundation
Simandhar City, Adalaj - 382421,
Ta & Dist - Gandhinagar.

Owned by
Mahavideh Foundation
Simandhar City, Adalaj - 382421,
Ta & Dist - Gandhinagar.

Printed at
Amba Multiprint
B-99, GIDC, Sector-25,
Gandhinagar - 382025.

Published at
Mahavideh Foundation
Simandhar City, Adalaj - 382421,
Ta & Dist-Gandhinagar.

© 2023, Dada Bhagwan Foundation
All Rights Reserved

अक्रम एक्सप्रेस

# ज्ञानी कहते हैं...

प्रश्नकर्ता : मुझे ऐसे वीडियो गेम्स खेलने में मज़ा आता है जिसमें लोगों को मारना होता है। क्या ऐसे वीडियो गेम्स खेलने से कोई खराब कर्म बँधता है?

पूज्यश्री : ऐसे वीडियो गेम्स खेलने के बाद तुम्हें अंदर कुछ होता है? इसे मारूँ, उसे शूट करूँ, ऐसा?

प्रश्नकर्ता : नहीं।

पूज्यश्री : खेलते समय तुम गेम्स के कैरेक्टर्स को ढिशूम-ढिशूम मारते हो न?

प्रश्नकर्ता : हाँ।

पूज्यश्री : एक स्टोरी है। एक आदमी को मुर्गा मारने के लिए कहा गया। लेकिन वह तैयार नहीं हुआ। तो उससे कहा गया कि आटे का मुर्गा बनाकर मारो। उसने ऐसा किया तो उसे मुर्गा मारने जितना ही पाप बँधा गया। क्यों? क्योंकि उसके भाव में ऐसा था कि 'मैंने मार डाला।'

ऐसे गेम्स खेलो जो हिंसक न हों। हिंसक गेम खेलते समय भाव से हिंसा कर ही देते हैं। हम गेम खेलते समय क्या कहते हैं? 'तीस सोल्जर्स थे, मैंने सभी को मार डाला।' उसमें भाव बिगड़ जाता है।

ये वाइलन्ट (हिसंक) गेम अच्छी चीज़ नहीं है। ये वीडियो गेम्स माइन्ड डिस्टर्ब कर देते हैं। इसके बजाय 'सुडोकू' जैसे गेम्स खेलो, जिससे बुद्धि डेवलप होती है। बालविज्ञान के छोटे-छोटे गेम्स हैं, वे खेलो।

और जितना हो सके वीडियो गेम्स खेलने की लिमिटेशन रखो। पंद्रह मिनिट या आधा घंटा वीडियो गेम्स खेलने के बाद स्विमिंग, वॉलीबॉल, क्रिकेट, फुटबॉल जैसे गेम्स खेलो। जो जीवित व्यक्तियों के साथ खेले जाते हैं। इन गेम्स से माइन्ड तथा बॉडी हेल्दी होंगे।

# यह तो

किसी भी जीव को मारने का भाव नहीं होना चाहिए। 'मेरे मन-वचन-काया से किसी भी जीव को दुःख न हो' ऐसी भावना रखनी है।

जिसे मारने की इच्छा नहीं है उसके पास कोई मरने के लिए आता भी नहीं है। भाव इतना काम करता है। उदाहरण के तौर पर : पैर के नीचे कुछ आ जाए तो भी बच जाता है।

# नई बात है!

मारने का भाव किया हो तो फिर मरने वाले हमारे पास आएँगे। उदाहरण के तौर पर : यदि नींद में करवट भी बदले तो खटमल-मच्छर मर जाते हैं।

हिंसा का प्रतिक्रमण करने से जोखिमदारी नहीं रहती।

# कुदरत का कोर्ट

दरवाजा थोड़ा खुला हुआ था। मीत के हाथ में एक बड़ा सा बॉक्स था। इसलिए उसने अपनी कुहनी से दरवाजे को धक्का मारा और घर के अंदर आ गया।

'हलो मीत, आओ आओ!' कुणाल भैया ने किताब बंद की और अपने नन्हें गेस्ट का स्वागत किया। मीत के मम्मी-पापा बाहर गए हुए थे इसलिए वह अपने पड़ोसी कुणाल भैया के घर रात बिताने आया था।

'ओहो! वीडियो गेम?!' मीत के हाथ में बॉक्स देखकर कुणाल भैया ने पूछा।

'हाँ, आप खेलोगे? इसमें दो प्लेयर्स की सेटिंग है।'

'नहीं नहीं... अगले सप्ताह मेरी लॉ की परीक्षा है।'

'लॉ!! यह क्या है?'

'तुमने मूविज़ में कोर्ट रूम देखे हैं? उसमें काले कोट वाले लोग होते हैं न?! उन्हें लॉयर्स कहते हैं। उन्होंने 'लॉ' की परीक्षा पास की होती है।'

'ओह! तो आप लॉयर बनकर अपराधियों को पकड़ोगे?' मीत की आवाज में थोड़ा डर था।

'हाँ, लेकिन तुम क्यों डर रहे हो? तुमने कोई अपराध किया है? किसी के साथ मारामारी की है?' कुणाल भैया ने मीत के साथ मज़ाक किया।

'नहीं नहीं...' मीत ने हँसकर कहा, 'मैं तो बस वीडियो गेम्स में नकली कैरेक्टर्स के साथ ढिशूम-ढिशूम करता हूँ।'

'ओह! आइ सी... यह तो कुदरत के कोर्ट का केस है!' भैया ने कहा।

मीत को कुछ समझ नहीं आया। लेकिन उसे वीडियो गेम खेलने में इतना इन्टरेस्ट था कि उसने आगे कुछ पूछा नहीं। और गेम ऑन कर दिया।

खेलते-खेलते उसे नींद आ गई और वह लिविंग रूम के सोफे पर ही सो गया।

आधी रात को एक आवाज़ से मीत की नींद खुल गई। उसने देखा कि दीवार पर लटकी हुई फोटो फ्रेम में से काला कोट पहना हुआ एक व्यक्ति उसे बुला रहा था। मीत डर गया।

'मीत, तुम्हें कुदरत के कोर्ट में हाज़िर होने का ऑर्डर है।' काले कोट वाले व्यक्ति ने फोटो फ्रेम में से कहा। मीत ने अपनी आँखें मसलीं। 'कुदरत का कोर्ट?! लेकिन मैंने कोई गुनाह किया ही नहीं है!'

'मैं यह सब नहीं जानता। मुझे तुम्हें ले आने का ऑर्डर मिला है।' उस व्यक्ति ने अपना हाथ फोटो फ्रेम से बाहर निकाला और मीत को अंदर खींच लिया। फोटो फ्रेम के अंदर एक नई तरह की विचित्र दुनिया थी।

मीत के सामने एक दरवाजा खुला और उसे सीढ़ियाँ दिखाई दीं। जैसे ही मीत ने सीढ़ियों पर कदम रखा, गोल-गोल सीढ़ियाँ उसे नीचे ले गईं।

हर मंजिल पर उसे ऐसे लोग दिखे जिनके चेहरे दानव जैसे थे। उन लोगों की चीखें सुनकर मीत डर गया।

एक बड़े हॉल के सामने सीढ़ी रूक गई। हॉल के बाहर खड़े इन्स्पेक्टर ने मीत को अंदर आने का इशारा किया। इन्स्पेक्टर के सिर पर दो सींग थे।

हॉल कोर्ट रूम जैसा लग रहा था। ऐसा कोर्ट रूम मीत ने मूवीज़ में देखा था। जज स्टेज पर आकर बैठे और नीचे काले कोट में एक लॉयर खड़ा था। मीत को देखकर हॉल में शोर बढ़ गया।

'ऑर्डर ऑर्डर!' जज ने मेज पर हथौड़ा मारा और कार्यवाही शुरू करने का आदेश दिया।

दो सींग वाले इन्स्पेक्टर ने मीत को ऑडियन्स में बिठाया और खुद बाहर चले गए। मीत बहुत घबरा गया।

ऑडियन्स में से एक लंबा और बड़ी मूँछ वाला आदमी खड़ा हुआ।

'यह कसाई है। रोज जानवरों को मारता है।' लॉयर ने कहा।

'पंद्रह वर्ष की जेल।' जज ने मेज पर हथौड़ा मारकर फैसला सुनाया। नीचे से जमीन खिसक गई और कसाई नीचे गिर पड़ा।

दूसरा आदमी आया।

'नॉन वेज खाता है।' लॉयर ने कहा।

'यह भी एक प्रकार की हिंसा ही है।' जज साहब ने कहा और हथौड़ा मेज पर मारा। धड़ाम! वह आदमी भी नीचे गिर गया।

मीत का दिल इतनी तेजी से धड़क रहा था कि उसे लगा कि जैसे अभी बाहर आ जाएगा।

'मिस्टर मीत की बारी!'

मीत काँपते-काँपते खड़ा हुआ। 'मैंने किसी को नहीं मारा। प्लीज़, मुझे जाने दो। वीडियो गेम के लोग तो नकली होते हैं।'

'मिस्टर मीत, क्या आपका कोई डिफेन्स लॉयर है, जो आपकी ओर से लड़ सके?' जज ने पूछा।

'क्या?? नहीं...' मीत को तो यह भी नहीं पता था कि डिफेन्स लॉयर का अर्थ क्या होता है ।

'ठीक है। आपको एक दिन का समय दिया जाता है। कल तक किसी को ढूँढ़ लीजिएगा।' जज ने कहा।

दूसरे दिन जब मीत कोर्ट रूम में पहुँचा तब उसके पास कोई लॉयर नहीं था। उसका ध्यान कोर्ट रूम के बाहर बैठे एक तेजस्वी व्यक्ति पर गया। मीत को उनका चेहरा कुछ जाना-पहचाना लगा।

'अरे, ये तो वे दो सींग वाले इन्स्पेक्टर सर हैं!' मीत पहचान तो गया लेकिन उनका चेहरा कुछ अलग लग रहा था।

'सर, आपके सींग कहाँ गायब हो गए?' मीत ने इन्स्पेक्टर से पूछा।

इन्स्पेक्टर हँस पड़े, 'आज से मुझे स्वर्ग में शिफ्ट होना है। इसलिए अब मेरे सिर पर सींग नहीं हैं।'

'स्वर्ग में? यह कैसे हुआ?' मीत को आश्चर्य हुआ।

'यह मेरे बदले हुए भावों का परिणाम है। अंदर भाव बदलने से बाहर चेहरा बदल गया। मिस्टर मीत, मैंने इतना सीखा है कि

यदि गलत काम का पछतावा किया जाए तो अपराध के दंड में से छूटा जा सकता है। लेकिन गलत काम करने के बाद खुश होते हैं तो हमें कोई बचा नहीं सकता। क्या आप कभी किसी को मारकर खुश हुए हो?' इन्स्पेक्टर ने पूछा।

मीत सोच में पड़ गया। 'नहीं, वैसे तो मैंने कभी किसी को नहीं मारा। लेकिन हाँ, वीडियो गेम्स के कैरेक्टर्स को मारकर मैं खुश हुआ था। लेकिन वे सब तो नकली थे न?'

'लेकिन आपके भाव तो असली थे न?' इन्स्पेक्टर ने पूछा।

मीत फिर से सोच में पड़ गया।

तभी एक आवाज़ सुनाई दी, 'मिस्टर मीत, हाजिर हों!'

'ऑल द बेस्ट' कहकर इन्स्पेक्टर वहाँ से चले गए। मीत के दिल की धड़कनें बढ़ गईं।

मीत जज के सामने जाकर खड़ा हो गया। 'सर, मुझे कोई डिफेन्स लॉयर नहीं मिले। लेकिन मुझे अपनी गलती मिल गई है। गेम्स खेलते-खेलते कई बार मेरे भाव बिगड़े हैं। उसके लिए मैं सॉरी भी फील कर रहा हूँ। अब से मैं कभी भी वाइलन्ट वीडियो गेम्स नहीं खेलूँगा।' मीत ने कहा।

जज हथौड़ा मारकर अपना फैसला सुनाने ही वाले थे कि तभी एक लॉयर ने उन्हें रोका, 'माइ लॉर्ड, यदि गुनहगार अपनी गलती मानकर उसका पछतावा करता है तो क्या सजा बदल नहीं जाती?'

जज ने कुदरत की लॉ बुक खोली। 'अरे हाँ, यू आर राइट। यहाँ लिखा है कि गलती करने के बाद यदि दिल से उसका पछतावा हो और माफी माँग ली जाए, तो सजा से मुक्ति मिल जाती है।'

'मिस्टर मीत, आप जा सकते हो।' कहकर जज ने फिर से मेज पर अपना हथौड़ा मारा।

अचानक मीत पीछे खिंचा गया और कुणाल भैया के सोफे पर जा गिरा। मीत ने आँखें मसलीं। देखा तो घड़ी में सात बज रहे थे।

'गुड मॉर्निंग, मीत! क्या हुआ? कोई बुरा सपना देखा क्या?' मीत को पसीने से लथपथ देखकर कुणाल भैया ने पूछा।

सपना था या हकीकत, यह मीत नहीं जानता था। लेकिन एक बात वह निश्चित रूप से जानता था कि अब वह फिर से कभी वाइलन्ट वीडियो गेम्स नहीं खेलेगा।

# AALOO CHILLY

अरे, मैं सच में थोड़े ही मारने वाला हूँ?! बस, चिढ़ गया था।
!!
तुम्हें पता है कि तुम मन से चींटियों को मारो, तो वह भी उन्हें मारा ही कहलाएगा!
Medicine
हें?! मुझे नहीं पता था, सॉरी चिली!
OH!!
बस, इतना ही???
Medicine
हे चींटीलैन्ड की चींटियों, सॉरी, मैंने आप लोगों को मारने का सोचा। अब?
लाओ, क्रीम लगा दूँ। अभी ठीक हो जाएगा।
10

# Leaf वैली

आपकी वीडियो गेम ने लीफ वैली में बड़ी सफलता हासिल की है। कैसा लग रहा है?

मैं बहुत खुश हूँ। इस गेम का वर्जन २.० हम जल्दी ही लॉन्च करेंगे।

वाह! मेरे जेरी भैया तो कितना फाइन काम करते हैं! मैं हमेशा भैया को हेल्प करूँगा।
NEWS UPDATES
REPORT

अरे भैया, टी.वी. पर आपका ही इन्टरव्यू चल रहा है। बैठिए, मैं पानी लेकर आता हूँ।

बनी, तुम कितने स्वीट हो! देखो, मैं तुम्हारे लिए क्या लाया हूँ?
वाउ!! आपकी बनाई हुई वीडियो गेम!! थैंक यू!!

मेरे बच्चे घंटों तक आपके वीडियो गेम में बिज़ी रहते हैं। हम वर्जन २.० का इंतजार कर रहे हैं।
थैंक यू!

महीनों बीत गए। एक दिन,

ब्रेकिंग न्यूज़! लीफ वैली के शांतिप्रिय निवासी जंगली बन रहे हैं! क्या हमारी शांति खतरे में है?

NEWS

LIVE NEWS UPDATES

REPORT

10:27 Crime rate getting high in leaf valley

आज तक लीफ वैली के निवासियों ने कभी किसी पर अटैक नहीं किया है। इस हिंसा का कारण क्या है?

पुलिस फोर्स इस मामले की जड़ तक पहुँचने की पूरी कोशिश कर रही है।

सर, मुझे इसका कारण पता चल गया है! यह देखिए।

यू आर राइट! ऐनिमल्स की फाइट पैटर्न इस वीडियो गेम के कैरेक्टर्स के अटैक्स की पैटर्न के साथ एग्ज़ैक्टली मैच कर रही है।

जेरी के ऑफिस में,

मिस्टर जेरी, आपके वीडियो गेम ही 'लीफ वैली' की शांति डिस्टर्ब करने का कारण है।

गलत! अगर वीडियो गेम का ऐसा असर होता है तो 'फ़ार्म गेम' खेलने के बाद सभी फार्मर्स (किसान) बन जाने चाहिए!

इन्स्पेक्टर गीगो के पास इसका कोई जवाब नहीं था।

रात को थका-हारा जेरी घर आया,

बनी, ज़रा पानी लाना!

देख नहीं रहे हो मैं वीडियो गेम खेल रहा हूँ? मुझे डिस्टर्ब मत करो।

पहले पानी लेकर आओ, फिर खेलना।

मुझे परेशान करोगे तो आपको शूट कर दूँगा।

इन्स्पेक्टर गीगो सही थे! बनी पर कितना नेगेटिव असर हुआ है। वीडियो गेम का सेल रोकना पड़ेगा।

लेकिन यदि वीडियो गेम्स का नेगेटिव असर होता है, तो पॉज़िटिव असर भी हो सकता है न?

महीनों बाद, प्रेस कॉन्फ्रेन्स में,

नई गेम के बारे में कुछ कहिए।

गेम का नाम है 'लीफ वैली', जिसमें एक सुंदर और शांत सीटी बनानी है। यह वीडियो गेम खेलने से बच्चे पज़ल सॉल्व करना सीखेंगे और उन्हें दूसरों को हेल्प करने के आइडियाज़ भी मिलेंगे।

और पहले की तरह खुशहाल 'लीफ वैली' फिर से जीवंत हो जाएगी!

पिछले अंक में आपने देखा कि रिज़ो को राजा श्रेणिक के बारे में कुछ ऐसा पता चला जिसके कारण उसने अपने फोन में से 'कॉल ऑफ ड्यूटी' गेम डिलीट कर दिया । उसने अपने फ्रेन्ड्स को एक ही साँस में यह बात कह दी। उसकी बात सुनकर थिओ, ज़ोइ और जिफी की आँखें चौड़ी हो गईं। चलो, देखते हैं रिज़ो ने अपने फ्रेन्ड्स से क्या कहा...

राजा श्रेणिक, भगवान महावीर के भक्त बने उससे पहले बात है।

एक बार राजा श्रेणिक शिकार करने गए थे। उन्होंने एक हिरणी को अपने बाण से मार गिराया। उस हिरणी के गर्भ में एक बच्चा था। राजा श्रेणिक के एक ही बाण से हिरणी और उसका बच्चा दोनों तड़प-तड़पकर मर गए। राजा श्रेणिक को गर्व हुआ कि कैसे उन्होंने एक ही बाण से दोनों का शिकार किया! ऐसा गर्व करने के कारण राजा श्रेणिक को नर्कगति का बँध हुआ।

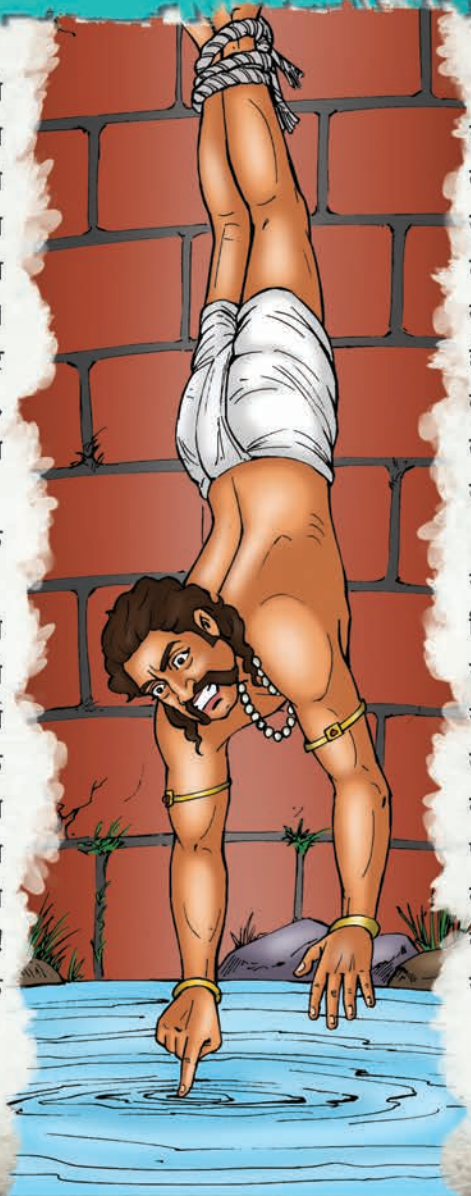

भगवान महावीर ने जब राजा श्रेणिक को यह बात बताई तब राजा को बहुत दुःख हुआ। उन्होंने भगवान को नर्कगति टालने के उपाय पूछे। भगवान ने कहा नर्कगति टालना संभव नहीं है। लेकिन राजा के बहुत बिनती करने पर भगवान ने राजा को तीन उपाय बताए। उसमें से दो उपाय निष्फल हुए।

तीसरा उपाय यह था कि यदि राज्य का कसाई एक दिन के लिए जानवरों को न मारे तो राजा की नर्कगति टल सकती है। यह सुनकर राजा खुश हो गए। उन्हें लगा कि यह तो वे जरूर करवा सकेंगे। राजा ने कसाई के पास जाकर एक दिन जानवरों को नहीं मारने का आदेश दिया। कसाई ने कहा, 'यह तो संभव नहीं है। मारे बिना मुझसे रहा

नहीं जाएगा।' तब राजा ने कसाई को बलपूर्वक बाँधकर कुएँ में उल्टा लटका दिया। आस-पास सैनिकों को खड़ा कर दिया जिससे कसाई भाग नहीं पाए।

चौबीस घंटे बाद कसाई को भगवान के पास लाया गया। राजा ने भगवान से पूछा, 'अब तो मेरी नर्कगति टल जाएगी ना? कसाई ने चौबीस घंटे से किसी को मारा नहीं है।'

भगवान ने कहा, 'नहीं, ऐसा नहीं है। यह कसाई उल्टा लटके हुए भी कुएँ की दिवार पर पानी से भैंस के बछड़ों का चित्र बनाता और उन्हें मारता। इस तरह उसने लगभग पाँच-सौ बछड़ों को भाव से मारा है। किसी भी जीव को मारने का भाव करना बहुत बड़ी हिंसा कहलाती है, जो इस कसाई ने की है। इसलिए तुम्हारी नर्कगति नहीं टल सकती।'

राजा श्रेणिक बहुत दुःखी हुए। और अंत में उन्होंने स्वीकार कर लिया कि उन्हें नर्क में जाकर हिंसा का दंड भुगतना ही पड़ेगा।

# The Little Chef

# सत्तू का शरबत

## आपको चाहिए...

- २ चम्मच सत्तू पाउडर(बिना छिलके के चने का पाउडर)
- १ग्लास पानी
- २ चम्मच चीनी
- २ चम्मच नींबू का रस
- स्वाद अनुसार नमक

**1.** सत्तू पाउडर को एक बाउल में लेकर उसमें पानी, नींबू का रस, नमक, चीनी डालें और उसे मिलाएँ।

**2.**

**3.** तैयार है प्रोटीन से भरपूर सत्तू शरबत...

**Chef's Tip:** शरबत को ज्यादा टेस्टी बनाने के लिए उसमें काला नमक और पुदीना भी डाल सकते हैं...

# चलो खेलें...

दिए गए हेरिटेज साइट्स के नाम तथा शहर का नाम लिखकर इस पन्ने का फोटो ९३१३६६५५६२ पर भेजिए.

Akram Express

April 2023
Year : 11, Issue : 1
Conti. Issue No.: 121

BALVIGNAN

Date of Publication On 8th Of Every Month
RNI No.GUJHIN/2013/53111

# Summer camp 2023

For more information, scan the QR code

अक्रम एक्सप्रेस के सदस्यों के लिए सूचना

१. आपकी वार्षिक सदस्यता समाप्त हो रही है उसका पता कैसे चलेगा? यदि आपकी इस महीने में आई हुई अक्रम एक्सप्रेस के कवर के लेबल पर लगे हुए मेम्बरशीप नं. के बाद # हो तो यह आपकी अंतिम अक्रम एक्सप्रेस है। उदा. AGIA4313# और यदि लेबल पर मेम्बरशीप नं. के बाद ## हो तो अगले महीने में आपकी सदस्यता समाप्त होगी। उदा. AGIA4313## अक्रम एक्सप्रेस रिन्यूअल की जानकारी संपादकीय पेज पर दी गई है।

२. यदि किसी महीने का अक्रम एक्सप्रेस आपको नहीं मिला हो तो नीचे दी गई माहिती फोन नं. ८१५५००७५०० पर Whatsapp करें।

१. कच्ची पावती नंबर या ID No., २.पूरा ऐड्रेस पिन कोड के साथ, ३. जिस महीने का मैगज़ीन नहीं मिला हो, उस महीने का नाम।

*Publisher, Printer & Editor - Dimple Mehta on behalf of Mahavideh Foundation*
*Printed at Amba offset :- B-99 GIDC, Sector - 25, Gandhinagar - 382025*